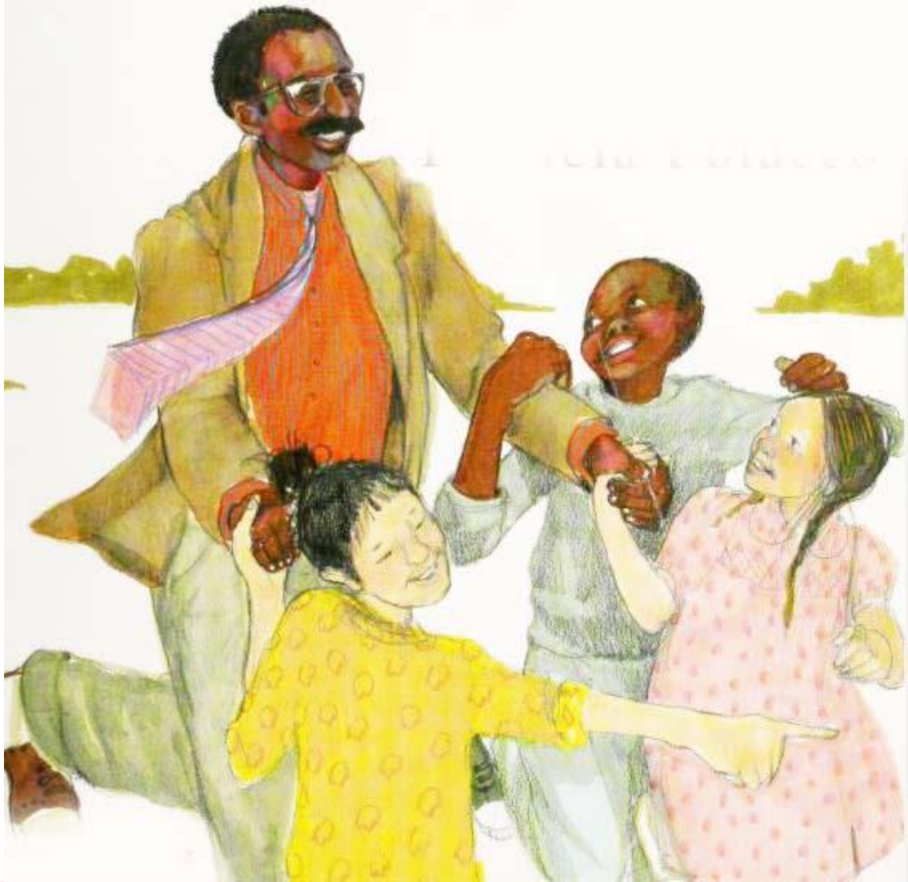
मिस्टर लिंकन - गज़ब के प्रिंसिपल

पेट्रीसिया




ROOM 7
FOURTH GRADE
ESTERHAUSE

मिस्टर लिंकन - गज़ब के प्रिंसिपल

पेट्रीसिया

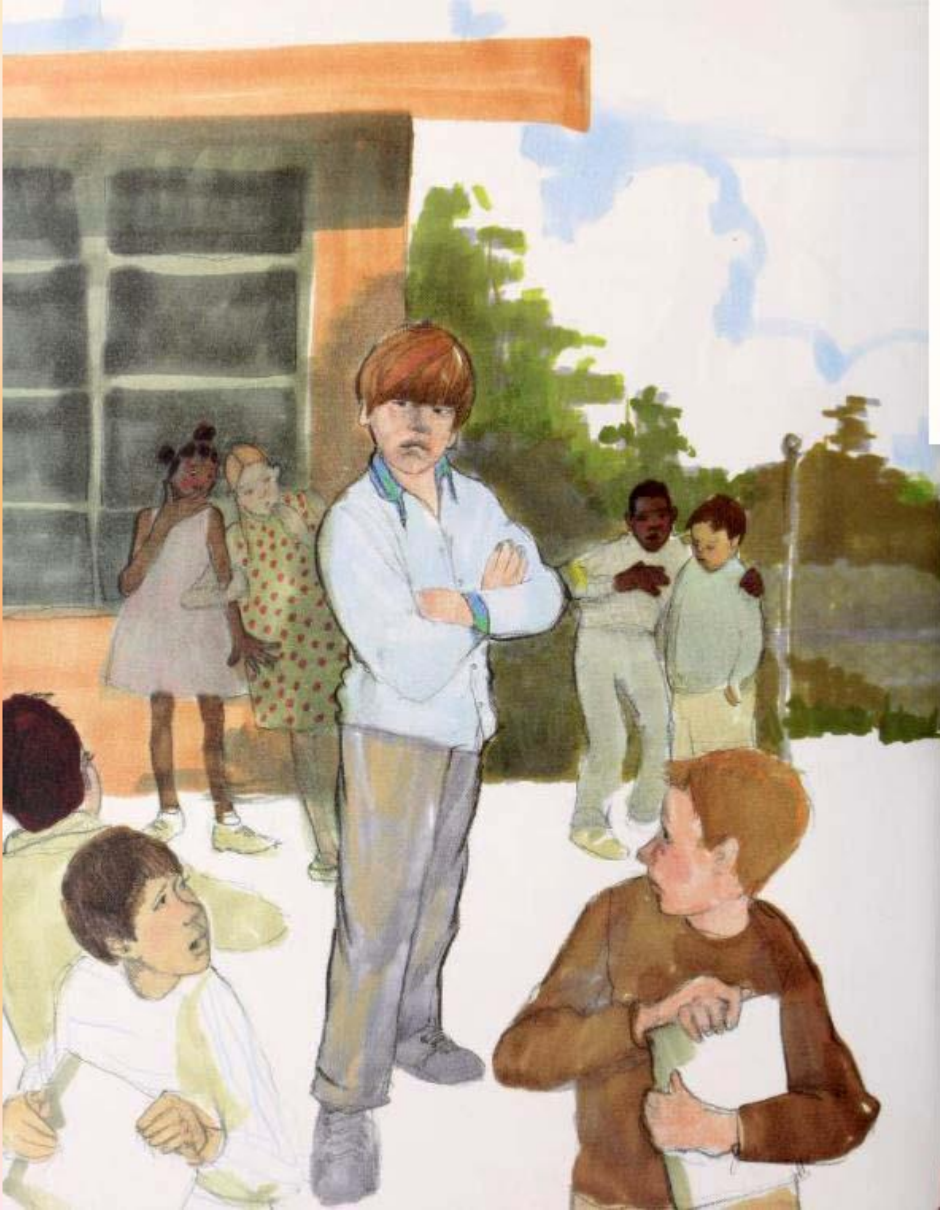


मिस्टर लिंकन पूरी दुनिया में सबसे अच्छे प्रिंसिपल थे, कम-से-कम उनके छात्र ऐसा सोचते थे. वो सबसे अच्छे कपड़े पहनते थे, उनकी सबसे अच्छी मुस्कान थी और वो सबसे नेक काम करते थे. वो हर वसंत ऋतु में मिसेज़ वेस्ट के किंडरगार्टन क्लास के साथ चाय पार्टियां करते थे. वो मिस्टर ब्लिस के छठे क्लास के बच्चों को नेचर वॉक के लिए ले जाते थे. वो कभी-कभी रात में स्कूल के पिछवाड़े में तालाब के बगल में अपना टेलीस्कोप फिट करते थे और बच्चों और उनके परिवारों को सितारों का लुत्फ़ उठाने के लिए आमंत्रित करते थे.

और सर्दियों में, वो क्रिसमस के नाटक में सांताक्लॉस बनते थे, और वो बाकी धर्मों के त्योहारों में भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते थे.

वैसे मिस्टर लिंकन बिल्कुल सादे और शांत थे!

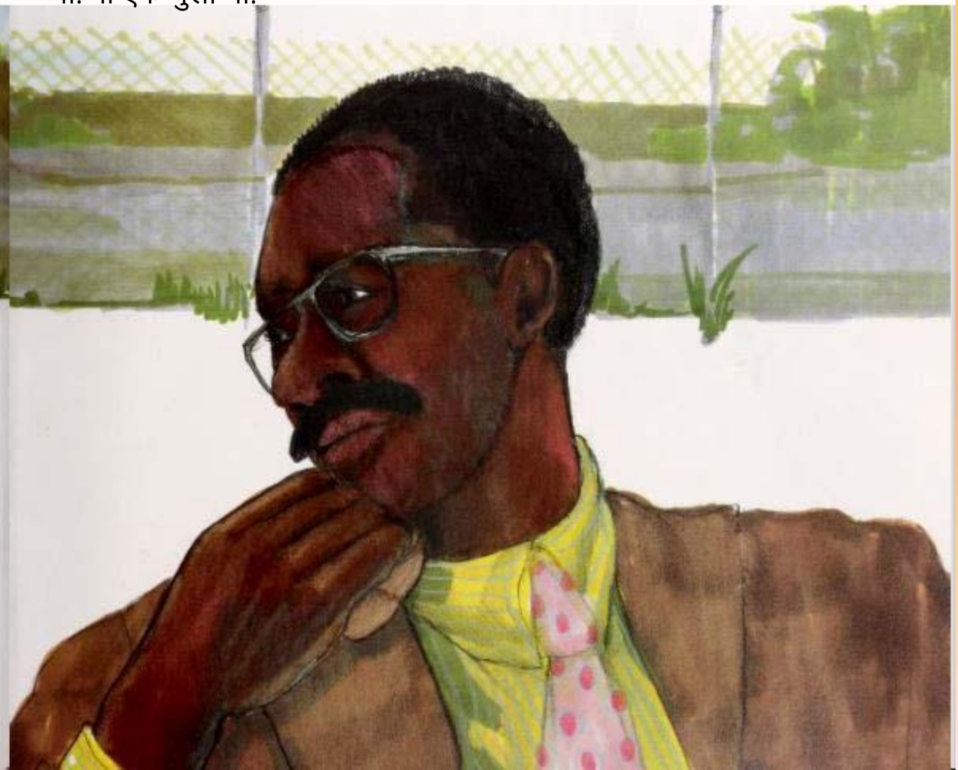




यूजीन एस्टरहाउस को छोड़कर बाकी सभी यही सोचते थे. यूजीन को सभी लोग "मतलबी" के नाम से बुलाते थे. यूजीन सभी शिक्षकों को चिढ़ाता था और खेल के मैदान में सभी बच्चों के साथ मारपीट करता था. वो बिल्कुल भी एक स्कूल छात्र जैसा नहीं था. उसने मिसेज डंकल को, अंग्रेजी की कक्षा में लगभग पागल कर दिया था. कला की टीचर मिस चू उसे अपने क्लास से हटाना चाहती थीं. यूजीन बहुत बदमाश था. वो हमेशा गुस्से में रहता था, बच्चों को गालियां देता था और मौका मिलने पर उन्हें पीटता था.

"यूजीन वास्तव में एक बुरा लड़का नहीं है." मिस्टर लिंकन कहते थे. "वो खुद से परेशान है."

लेकिन पूरे स्कूल में लगभग हर किसी के लिए, यूजीन एक बड़ी परेशानी बन चुका था. वो एक बुली था.



फिर एक दिन वो पहली कक्षा के एक बच्ची पर चिल्लाया "तुम क्या देख रही हो, बदमाश?" यूजीन चिल्लाया. फिर उसने उस बच्ची को नीचे धकेला और उसका बैग छीन लिया.

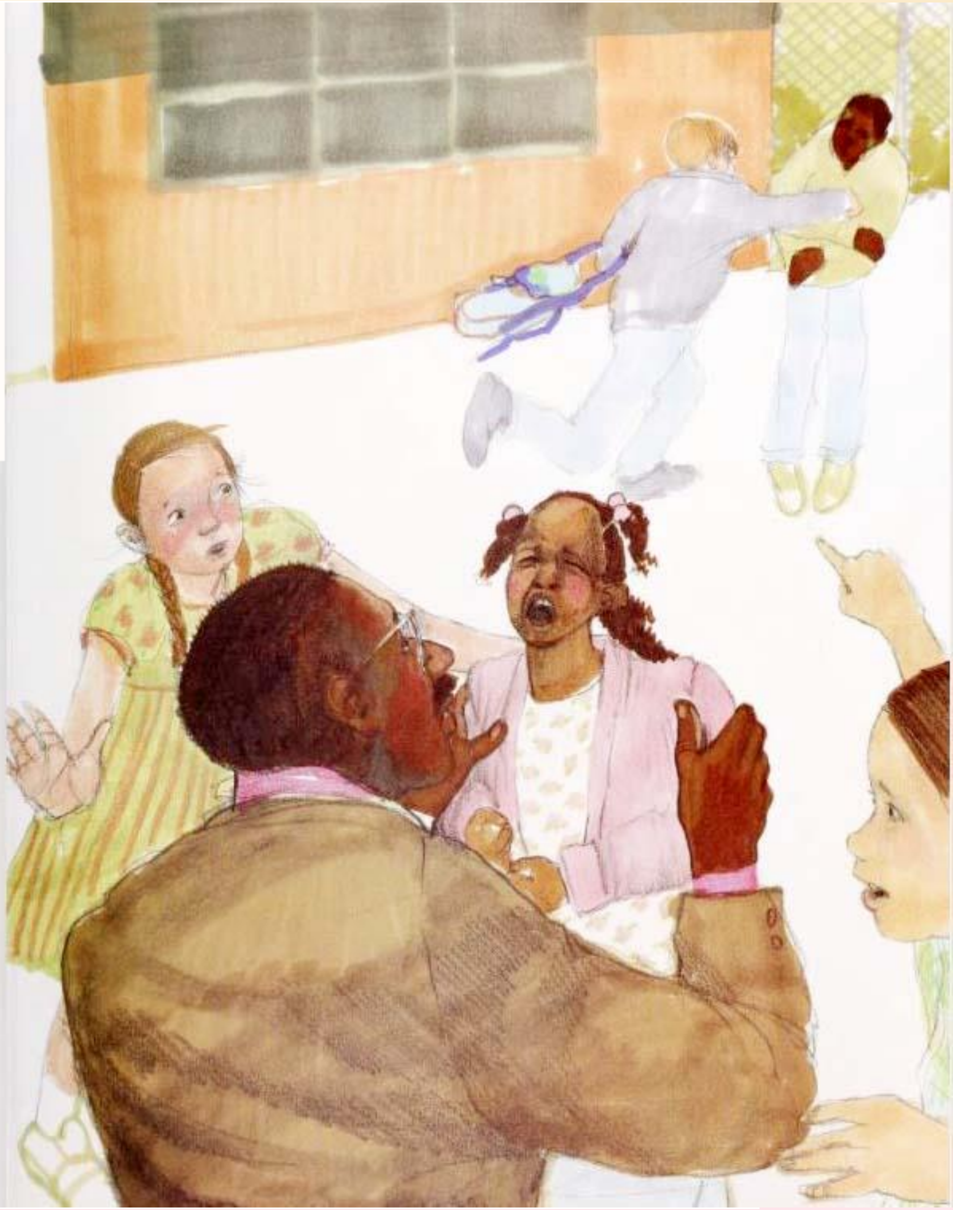
"मैं मिस्टर लिंकन से तुम्हारी शिकायत करूंगी," बच्ची ने कहा.

"जाओ, शौक से जाओ. मैं मिस्टर लिंकन से बिलकुल नहीं डरता।" फिर वो रुक गया.

क्योंकि मिस्टर लिंकन वहीं खड़े थे. फिर घंटी बजी और यूजीन भाग गया.

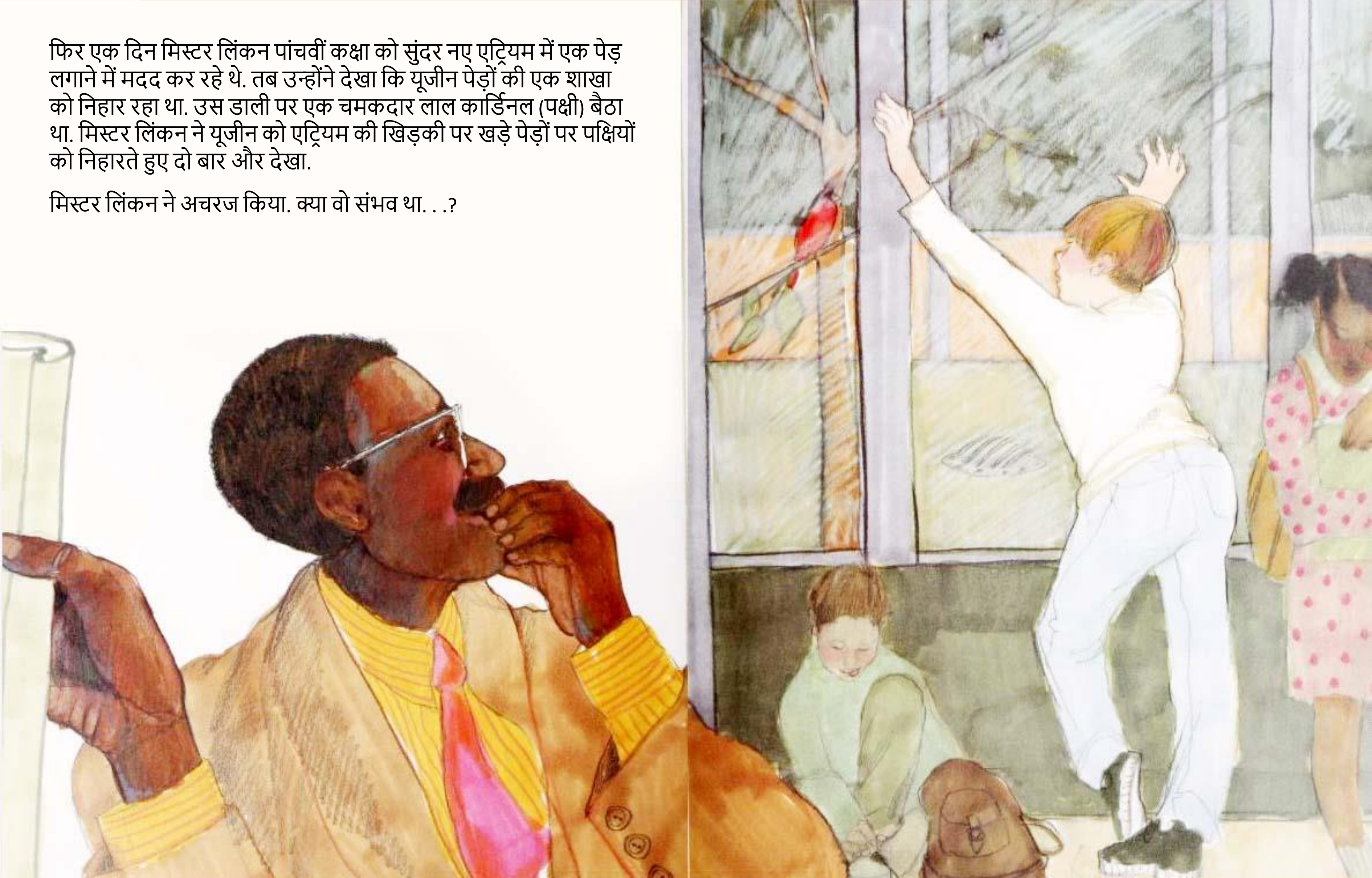
अब मिस्टर लिंकन, यूजीन के बारे में और गंभीरता से सोच रहे थे. भला, मिस्टर लिंकन, यूजीन के दिल को कैसे छुएं?





फिर एक दिन मिस्टर लिंकन पांचवीं कक्षा को सुंदर नए एट्रियम में एक पेड़ लगाने में मदद कर रहे थे. तब उन्होंने देखा कि यूजीन पेड़ों की एक शाखा को निहार रहा था. उस डाली पर एक चमकदार लाल कार्डिनल (पक्षी) बैठा था. मिस्टर लिंकन ने यूजीन को एट्रियम की खिड़की पर खड़े पेड़ों पर पक्षियों को निहारते हुए दो बार और देखा.

मिस्टर लिंकन ने अचरज किया. क्या वो संभव था. . .?



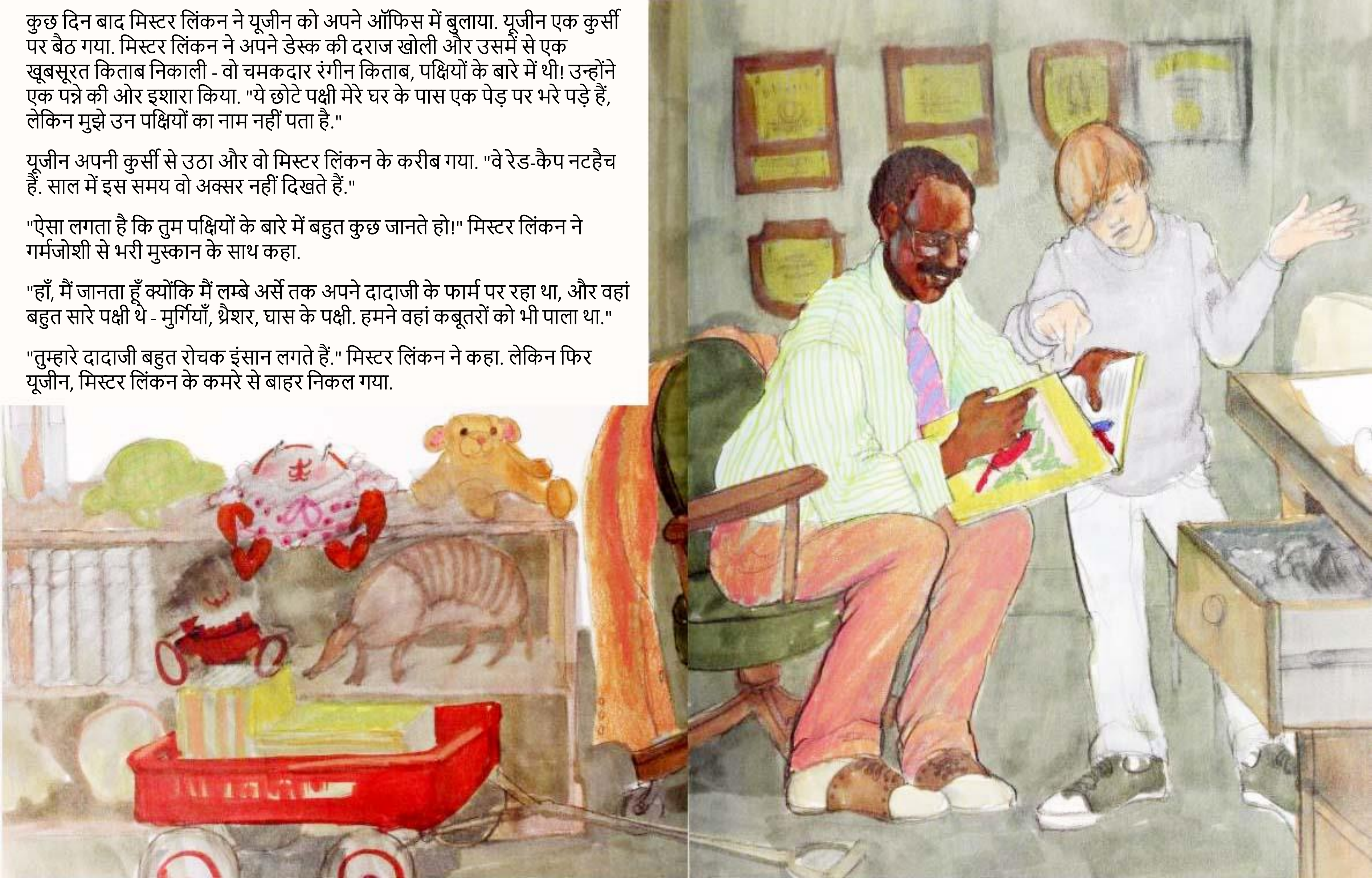
कुछ दिन बाद मिस्टर लिंकन ने यूजीन को अपने ऑफिस में बुलाया. यूजीन एक कुर्सी पर बैठ गया. मिस्टर लिंकन ने अपने डेस्क की दराज खोली और उसमें से एक खूबसूरत किताब निकाली - वो चमकदार रंगीन किताब, पक्षियों के बारे में थी! उन्होंने एक पन्ने की ओर इशारा किया. "ये छोटे पक्षी मेरे घर के पास एक पेड़ पर भरे पड़े हैं, लेकिन मुझे उन पक्षियों का नाम नहीं पता है."

यूजीन अपनी कुर्सी से उठा और वो मिस्टर लिंकन के करीब गया. "वे रेड-कैप नटहैच हैं. साल में इस समय वो अक्सर नहीं दिखते हैं."

"ऐसा लगता है कि तुम पक्षियों के बारे में बहुत कुछ जानते हो!" मिस्टर लिंकन ने गर्मजोशी से भरी मुस्कान के साथ कहा.

"हाँ, मैं जानता हूँ क्योंकि मैं लम्बे अर्से तक अपने दादाजी के फार्म पर रहा था, और वहां बहुत सारे पक्षी थे - मुर्गियाँ, थ्रेशर, घास के पक्षी. हमने वहां कबूतरों को भी पाला था."

"तुम्हारे दादाजी बहुत रोचक इंसान लगते हैं." मिस्टर लिंकन ने कहा. लेकिन फिर यूजीन, मिस्टर लिंकन के कमरे से बाहर निकल गया.



एक हफ्ता बीतने के बाद जब यूजीन एक दिन एट्रियम के पास से गुज़रा तो मिस्टर लिंकन ने उसे देखा. वो उदास दिख रहा था.

"क्या तुम मेरी एक मदद करोगे?" मिस्टर लिंकन ने पूछा.

"क्या!"

"वो एट्रियम पक्षियों से भरा होना चाहिए था. लेकिन यहाँ पर अभी कोई पक्षी आ ही नहीं रहे हैं." फिर प्रिंसिपल ने खाली एट्रियम को देखा.

"एट्रियम में गलत किस्म के पौधे हैं जो पक्षियों को आकर्षित नहीं करेंगे. अभी वहां उनके लिए सही भोजन नहीं हैं." फिर यूजीन दूर जाने लगा.

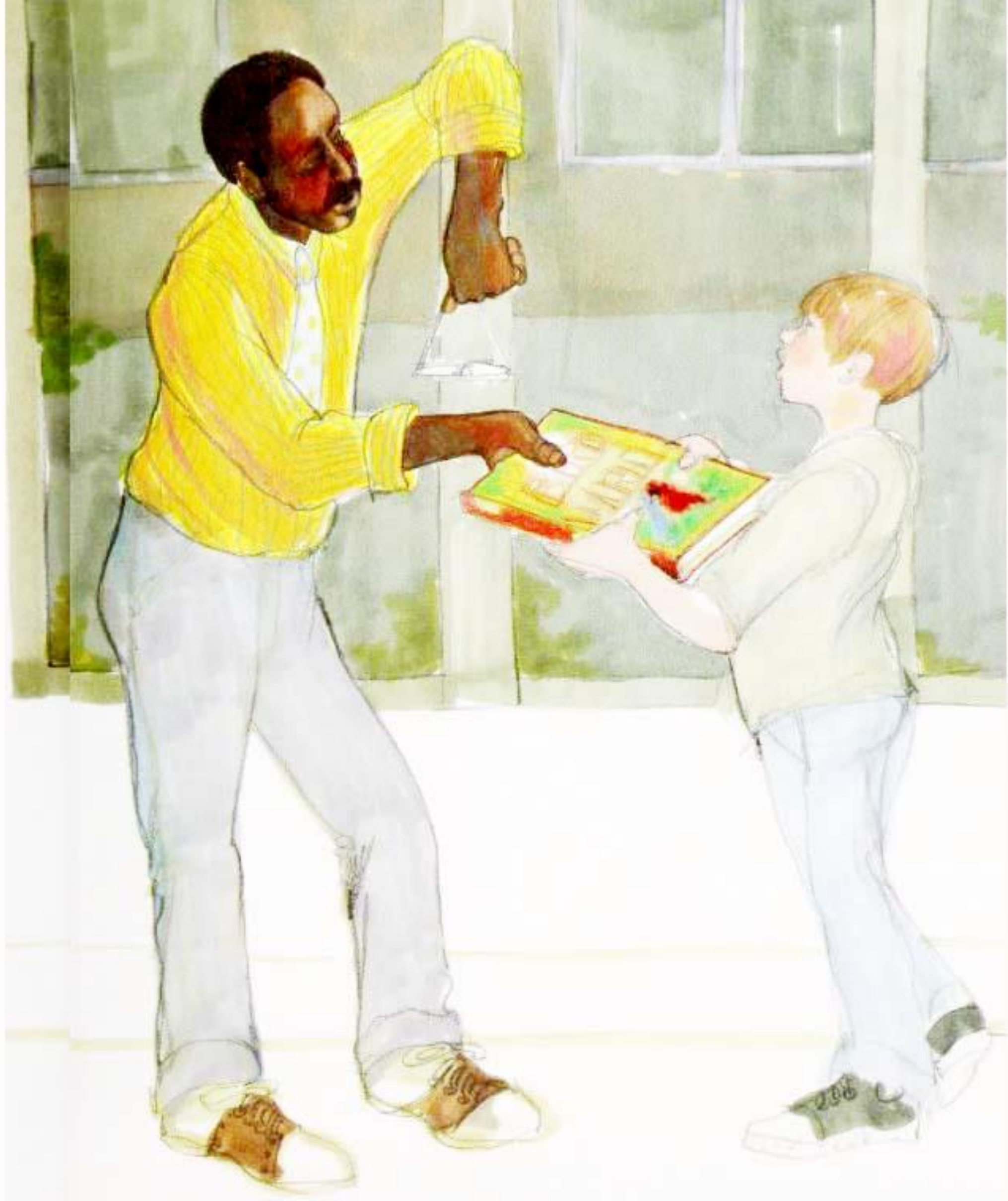
"क्या तुम्हारे दादाजी ने तुम्हें यह सब सिखाया?"

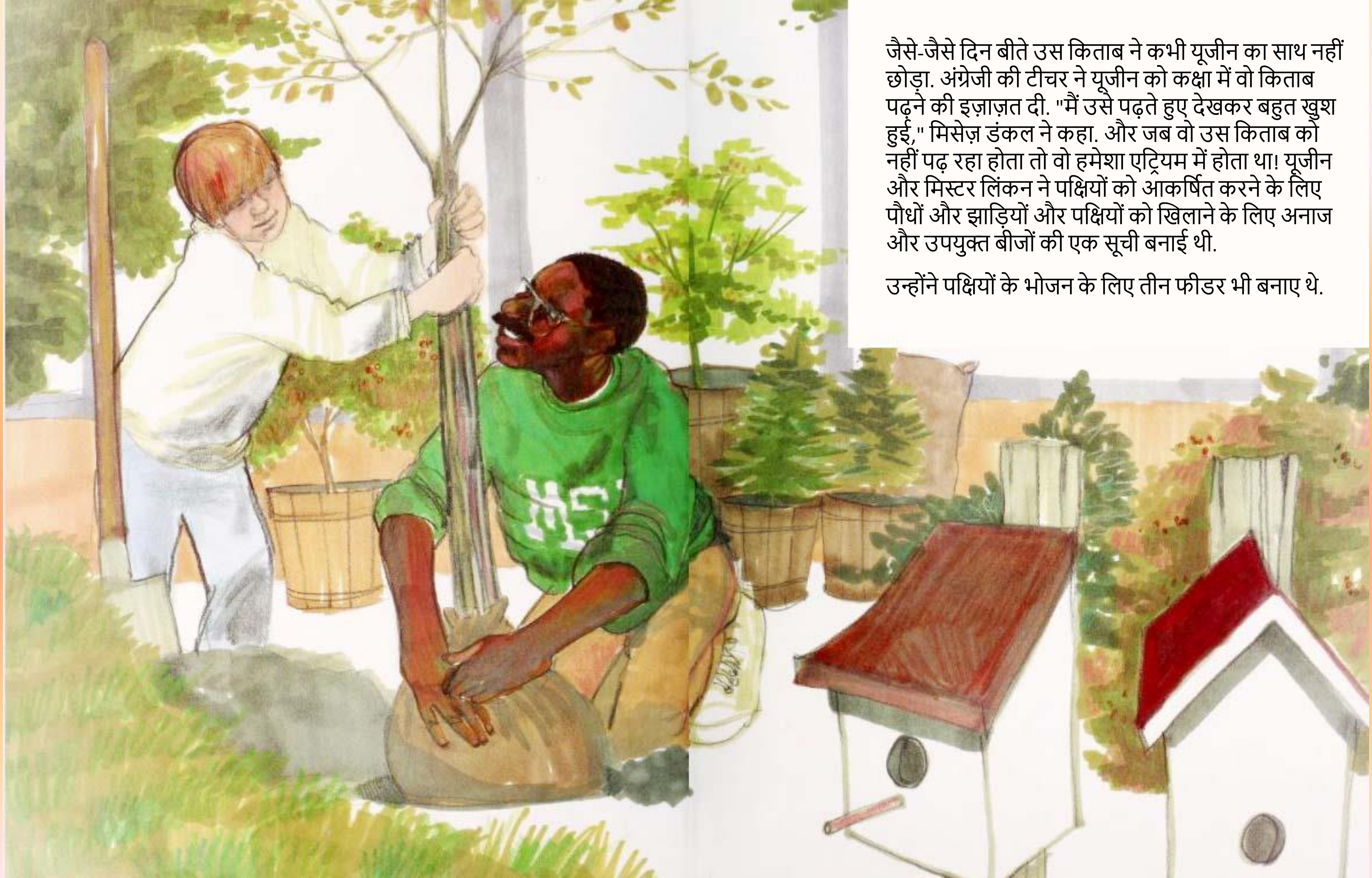
यूजीन ने मुड़कर मिस्टर लिंकन को पहली बार देखा.

"शायद."

"क्या तुम एट्रियम में पक्षियों कोआकर्षित करने में हमारी मदद कर सकते हो, यूजीन?" फिर मिस्टर लिंकन ने यूजीन को पक्षियों वाली किताब सौंप दी. "देखो, शायद यह किताब तुम्हारी कुछ मदद करे."

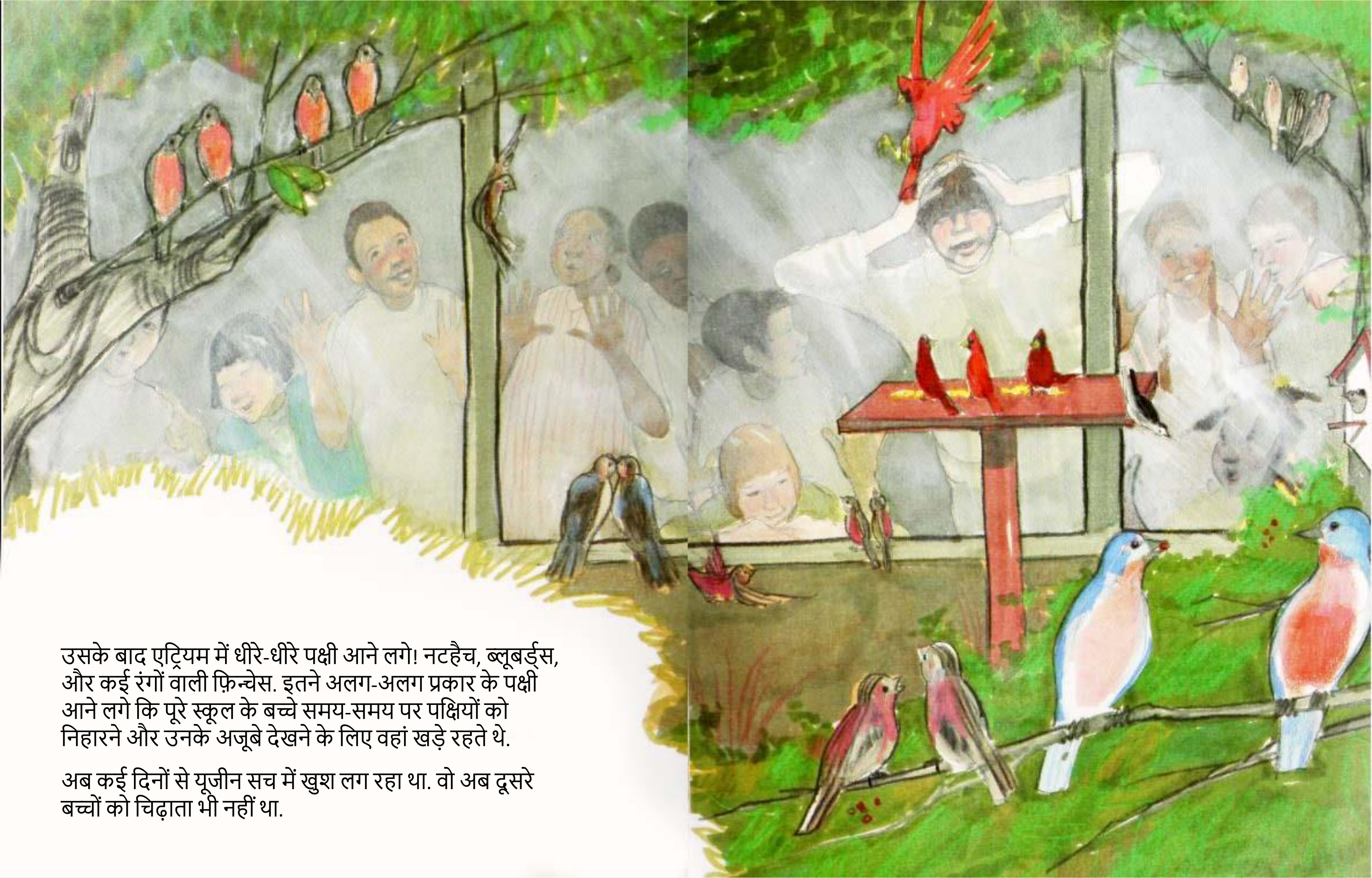
यूजीन पहले तो स्तब्ध लगा. फिर उसने पक्षियों की उस सुंदर किताब को अपने हाथों में लिया, और हॉल के नीचे चला गया.





जैसे-जैसे दिन बीते उस किताब ने कभी यूजीन का साथ नहीं छोड़ा. अंग्रेजी की टीचर ने यूजीन को कक्षा में वो किताब पढ़ने की इज़ाज़त दी. "मैं उसे पढ़ते हुए देखकर बहुत खुश हुई," मिसेज़ डंकल ने कहा. और जब वो उस किताब को नहीं पढ़ रहा होता तो वो हमेशा एट्रियम में होता था! यूजीन और मिस्टर लिंकन ने पक्षियों को आकर्षित करने के लिए पौधों और झाड़ियों और पक्षियों को खिलाने के लिए अनाज और उपयुक्त बीजों की एक सूची बनाई थी.

उन्होंने पक्षियों के भोजन के लिए तीन फीडर भी बनाए थे.



उसके बाद एट्रियम में धीरे-धीरे पक्षी आने लगे! नटहैच, ब्लूबर्ड्स, और कई रंगों वाली फ़िन्चेस. इतने अलग-अलग प्रकार के पक्षी आने लगे कि पूरे स्कूल के बच्चे समय-समय पर पक्षियों को निहारने और उनके अजूबे देखने के लिए वहां खड़े रहते थे.

अब कई दिनों से यूजीन सच में खुश लग रहा था. वो अब दूसरे बच्चों को चिढ़ाता भी नहीं था.

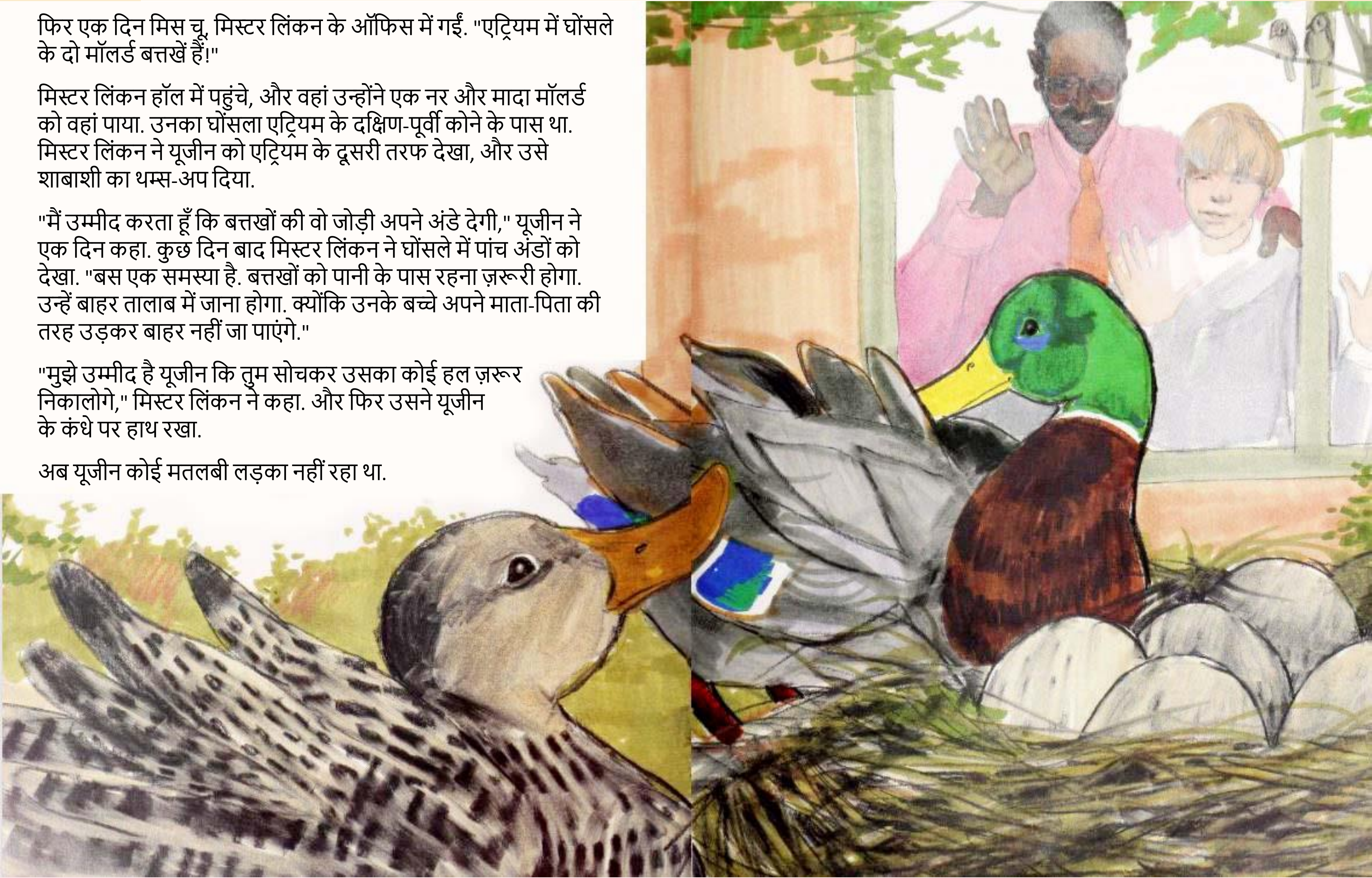
फिर एक दिन मिस चू, मिस्टर लिंकन के ऑफिस में गईं. "एट्रियम में घोंसले के दो मॉलर्ड बत्तखें हैं!"

मिस्टर लिंकन हॉल में पहुंचे, और वहां उन्होंने एक नर और मादा मॉलर्ड को वहां पाया. उनका घोंसला एट्रियम के दक्षिण-पूर्वी कोने के पास था. मिस्टर लिंकन ने यूजीन को एट्रियम के दूसरी तरफ देखा, और उसे शाबाशी का थम्स-अप दिया.

"मैं उम्मीद करता हूँ कि बत्तखों की वो जोड़ी अपने अंडे देगी," यूजीन ने एक दिन कहा. कुछ दिन बाद मिस्टर लिंकन ने घोंसले में पांच अंडों को देखा. "बस एक समस्या है. बत्तखों को पानी के पास रहना ज़रूरी होगा. उन्हें बाहर तालाब में जाना होगा. क्योंकि उनके बच्चे अपने माता-पिता की तरह उड़कर बाहर नहीं जा पाएंगे."

"मुझे उम्मीद है यूजीन कि तुम सोचकर उसका कोई हल ज़रूर निकालोगे," मिस्टर लिंकन ने कहा. और फिर उसने यूजीन के कंधे पर हाथ रखा.

अब यूजीन कोई मतलबी लड़का नहीं रहा था.



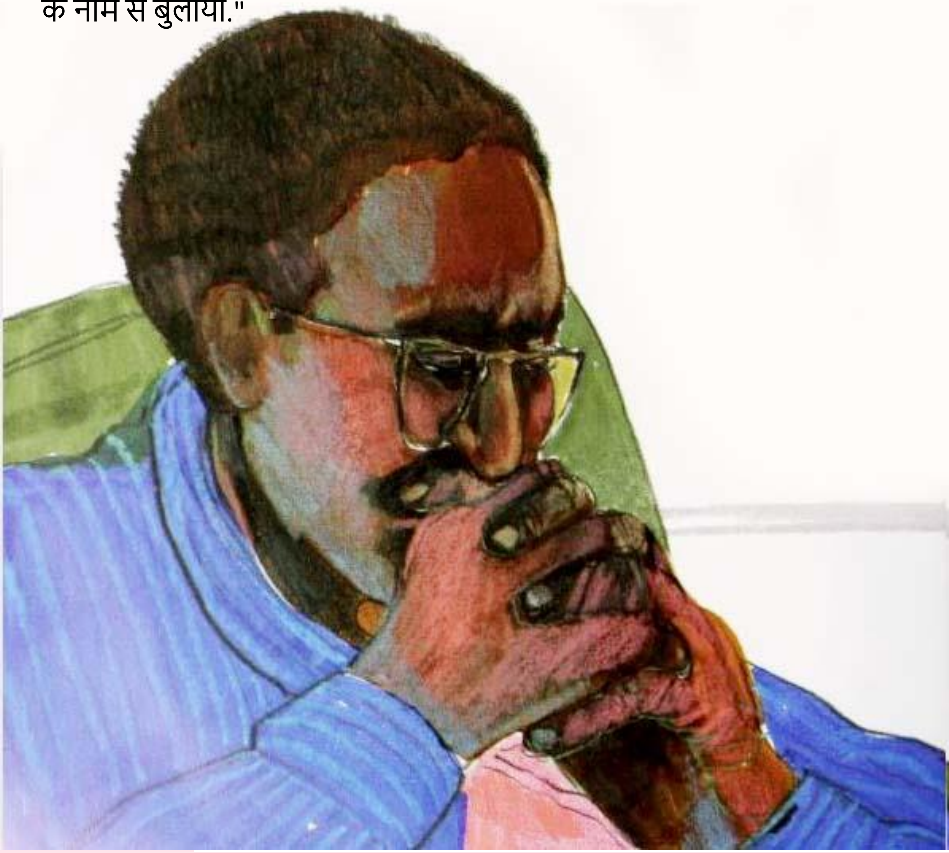
तीन दिन बाद ही हॉल में कोहराम मच गया था. मिसेज़ बेल्डिंग यूजीन के साथ मिस्टर लिंकन के कार्यालय में पहुंचीं.

मिस्टर लिंकन ने यूजीन को अविश्वास से देखा. "क्या हुआ?" उन्होंने पूछा.

"मैं चाहती हूँ कि यूजीन ही आपको पूरी बता बताए," मिसेज़ बेल्डिंग ने कहा.

लेकिन यूजीन ने वैसा कुछ नहीं किया. वो घृणास्पद और उद्दंड दिख रहा था

"लंच की कतार में परेशानी शुरू हुई," मिसेज़ बेल्डिंग ने कहा. "यूजीन ने मेक्सिको से आए हमारे दो छात्रों को चुना - और उन्हें "मेंढक" और "भूरी चमड़ी" के नाम से बुलाया."



"मैं इस मामले की जांच करूंगा," मिस्टर लिंकन ने चुपचाप कहा. मिस्टर लिंकन लड़के के सामने बैठ गए.

"यूजीन, मेरी त्वचा भी भूरी है." यूजीन ने मिस्टर लिंकन की तरफ देखा.

"यह मुझे पता है, यूजीन - कोई व्यक्ति जो पक्षियों से प्यार करता है जैसे तुम करते हो, उस इंसान के दिल में कभी नफरत नहीं हो सकती है."

फिर यूजीन रोने लगा. "जब मैं आपकी मदद करने के बाद देर से घर पहुंचा तो मेरे पिताजी एकदम पागल हो गए."

उसने सुबकते हुए कहा, "उन्होंने कहा कि तुम अब हमारी जैसे नहीं रहे हो."



"हमारी तरह," मिस्टर लिंकन बड़बड़ाए.

वो यूजीन को एट्रियम की खिड़की तक ले गए. वहां का वातावरण पक्षियों के कलरव से ज़िंदा था. "मुझे गौरैया, नीलकंठ, कार्डिनल्स, नटहैच और मॉलर्ड दिखाई दे रही हैं. क्या वे सभी अलग-अलग प्रकार और रंगों के पक्षी, इस जगह को सुंदर जगह नहीं बनाते हैं?"

यूजीन ने हां में अपना सिर हिलाया.

"ठीक है, भगवान ने ही उन सब को बनाया है! सभी प्रकार के पक्षियों को! उसने हम सभी को भी अलग-अलग बनाया है, यूजीन. सच्चाई यह है कि, स्कूल में तुम जैसे सभी बच्चे - अपने तमाम मतभेदों और अंतरों के बावजूद - मेरे छोटे पक्षी हो. हाँ, मेरे छोटे पक्षी! और तुम्हारे पिताजी ने जो कुछ कहा, उसमें क्या सही था या क्या गलत, उसका जवाब भी इसी में है," मिस्टर लिंकन ने कहा.



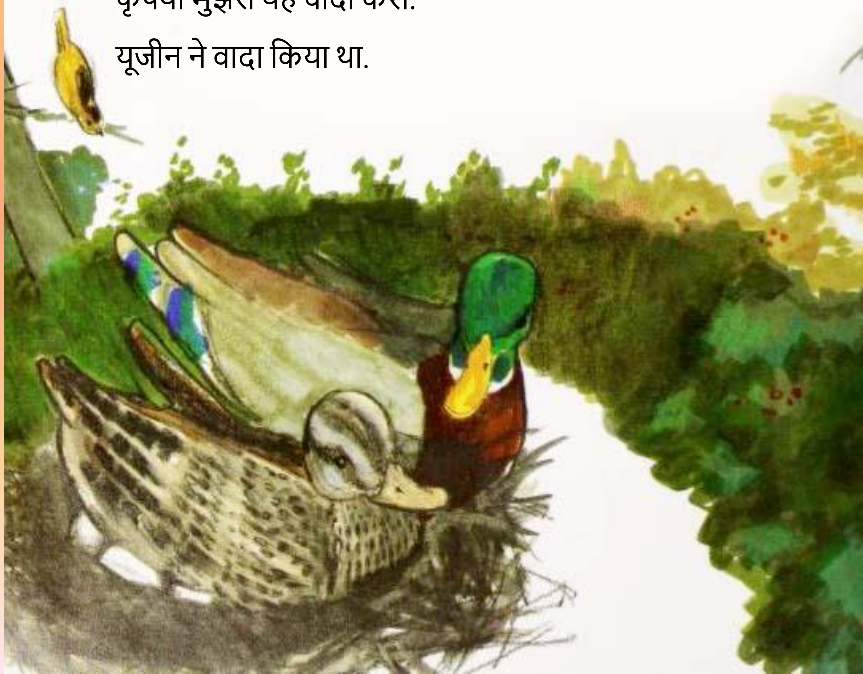
"मेरे पिताजी आपको बुरे नामों से बुलाते हैं, मिस्टर लिंकन. उनके पास हर किसी के लिए जो उनसे अलग है एक बदसूरत नाम है."

मिस्टर लिंकन ने लंबे समय तक बात नहीं की. "यूजीन, कभी-कभी लोग अपनी सोच में फंस जाते हैं जैसे कि वे बत्तखें उस एट्रियम में फंस गईं हैं," मिस्टर लिंकन ने सोच-समझकर कहा.

"पर मेरे दादाजी ऐसे नहीं थे."

मिस्टर लिंकन ने लड़के के कंधे पर हाथ रखा. "मैं तुम्हारे दादाजी से मिलना चाहता हूं. लेकिन यूजीन, तुम्हें मुझसे एक वादा करना होगा. चाहें घर में बुरी चीजें होती हों, फिर भी यहां स्कूल में तुम मेरे सभी छोटे पक्षियों के साथ दया और सम्मान के साथ व्यवहार करोगे. तुम किसी को चिढ़ाओगे नहीं और न ही किसी को बुरा-भला कहोगे! कृपया मुझसे यह वादा करो."

यूजीन ने वादा किया था.





जैसे-जैसे दिन बीते गए, मॉलर्ड नर-मादा एट्रियम से बाहर निकल कर स्कूल के ठीक पीछे तालाब पर चले गए. वे अपने बच्चों को अब लंबे अर्से के लिए अकेला छोड़कर जा रहे थे. यूजीन और मिस्टर लिंकन जानते थे कि अब समय आ रहा था जब उन्हें बत्तखों के बच्चों को भी एट्रियम से बाहर निकालकर तालाब तक ले जाना होगा. उसके लिए उन्होंने एक योजना बनाई.





और जब वो बड़ा दिन आया, तो बच्चों को अपनी-अपनी कक्षाओं में ही रुकने को कहा गया. फिर यूजीन और मिस्टर लिंकन ने एट्रियम का दरवाजा खोला और वे उसके अंदर गए. वे दोनों मॉलार्ड माता-पिता की तरह "गिंग ... गिंग" कहने का अभ्यास कर चुके थे. फिर उन्होंने बत्तखों के बच्चों से बातचीत की, और उन्हें पीछे-पीछे आने के लिए राजी किया.

नर मल्लार्ड, एट्रियम के दरवाज़े पर चढ़ गया और उसने हॉल के नीचे झाँका. हॉल के अंत में नर मल्लार्ड, लॉन और तालाब दोनों को देख सकता था.

"गिंग ... गिंग," यूजीन ने कहा.



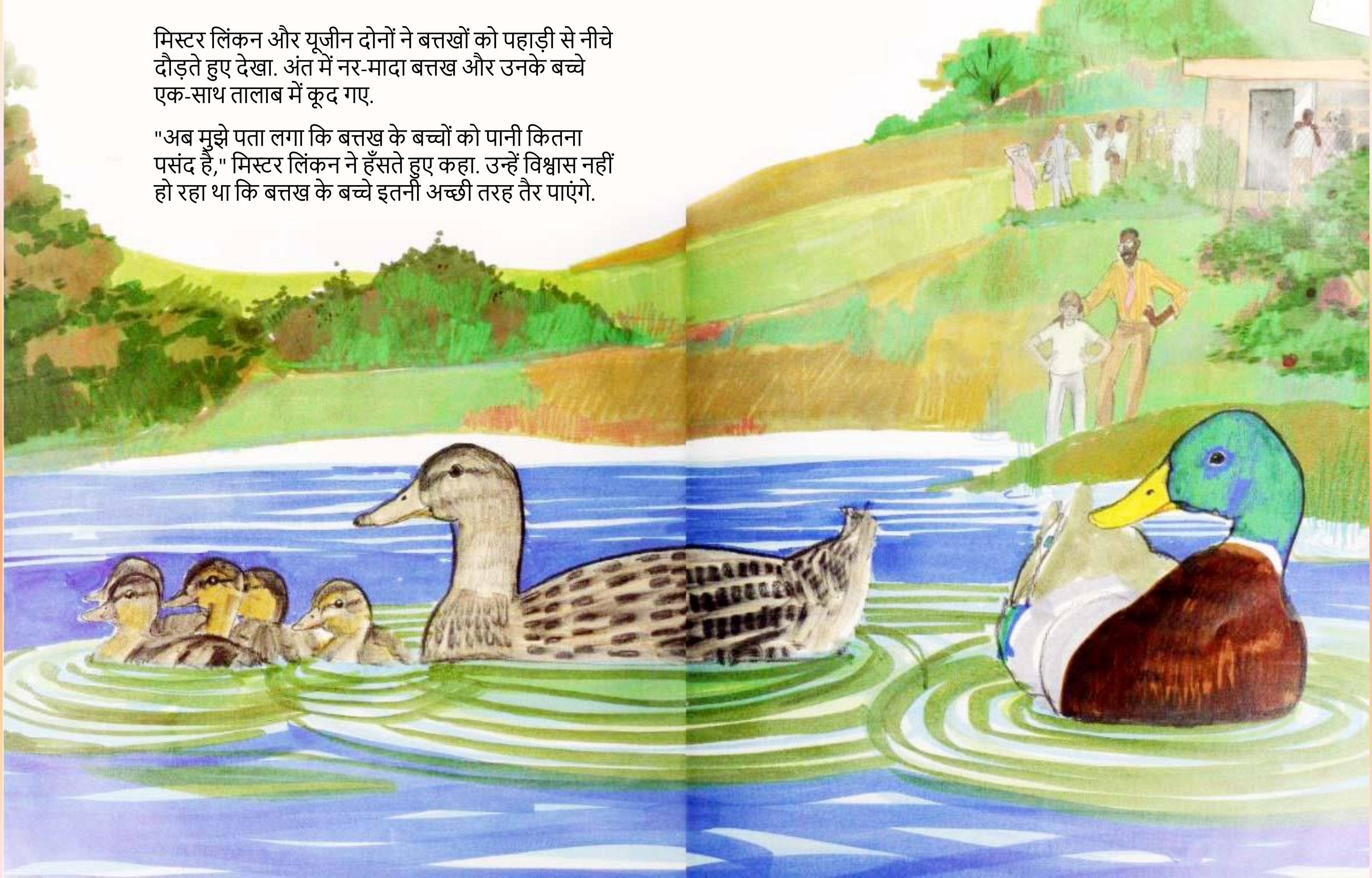
मादा मल्लार्ड पहले बाहर आई, फिर एक-एक करके उसके बच्चे उसके पीछे-पीछे आए. यूजीन हॉल के नीचे चला गया. वो उन्हें बार-बार बुला रहा था, और मल्लार्ड परिवार उसके पीछे- पीछे आ रहा था.

फिर नर-मादा ने तुरन्त अगुवाई की, और बत्तखों के बच्चे उनके पीछे-पीछे दौड़ पड़े. बाहरी द्वार पर, बच्चे एक पल के लिए रुके, फिर नर-मादा मल्लार्ड द्वार से बाहर कूदे और उन्होंने अपने प्रत्येक बच्चे को आज्ञा पालन करने के लिए मनाया.



मिस्टर लिंकन और यूजीन दोनों ने बत्तखों को पहाड़ी से नीचे दौड़ते हुए देखा. अंत में नर-मादा बत्तख और उनके बच्चे एक-साथ तालाब में कूद गए.

"अब मुझे पता लगा कि बत्तख के बच्चों को पानी कितना पसंद है," मिस्टर लिंकन ने हँसते हुए कहा. उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था कि बत्तख के बच्चे इतनी अच्छी तरह तैर पाएंगे.



स्कूल के बच्चों के माता-पिता पहाड़ी की चोटी पर इकट्ठे हुए थे - उन्हें दूर से देखने के लिए कहा गया था. फिर यूजीन ने पीछे से अपने नाम पुकारने की आवाज़ सुनी. "यूजीन! बेटा तुम कहाँ हो!"

वो यूजीन के दादाजी थे! यूजीन पहाड़ी की ओर दौड़ पड़ा. मिस्टर लिंकन भी वहां गए.

"यह मेरे दादाजी हैं!" यूजीन ने कहा.

"मुझे पता है," मिस्टर लिंकन ने कहा.

यूजीन उनकी ओर मुड़ा. क्या मिस्टर लिंकन का इस चमत्कार से, यानि उसके दादाजी के वहां होने से कुछ लेना-देना था?

फिर दादाजी ने मिस्टर लिंकन का हाथ अपने दिल से हिलाया

"मैं निश्चित रूप से आपके साथ फिर से रहना चाहूंगा, दादाजी," यूजीन ने कहा. और फिर यूजीन और उसके दादाजी एक साथ पहाड़ी पर चले गए.

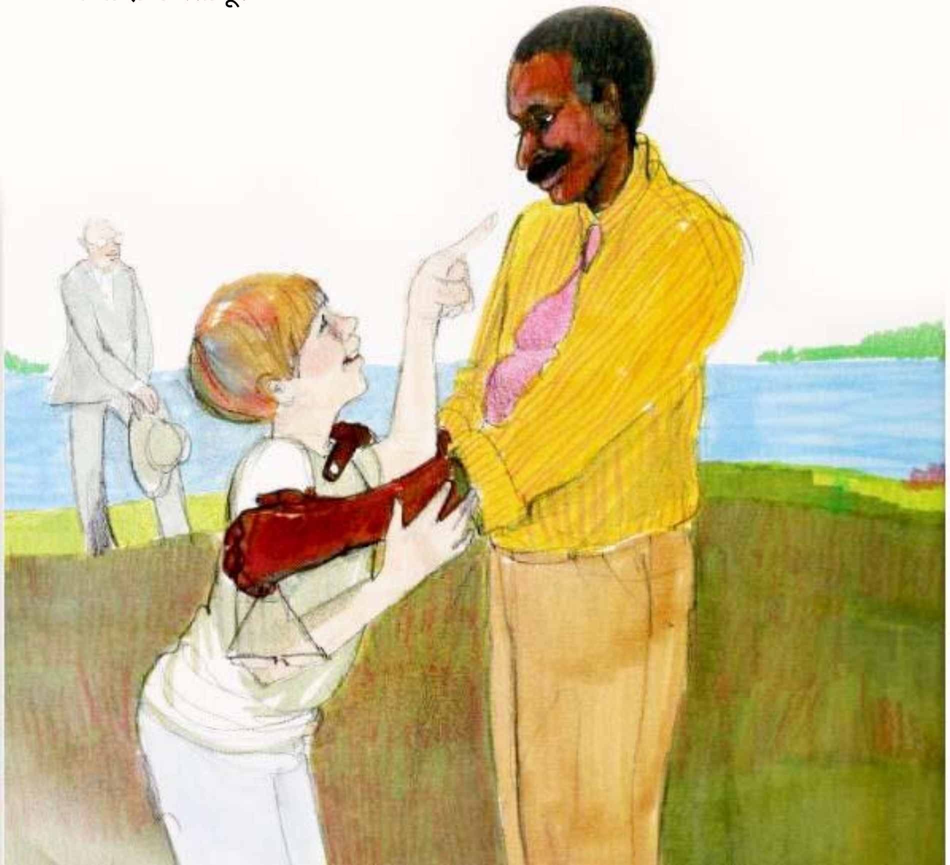
दादाजी ने अपना हाथ लड़के के कंधों पर रखा. "हम देखेंगे, बेटा. हम ज़रूर देखेंगे," उन्होंने कहा.



बाद में यूजीन और मिस्टर लिंकन एक साथ तालाब के किनारे नीचे उतरे. यूजीन, मिस्टर लिंकन से कुछ कहना चाहता था.

"तुमने उन बत्तखों को बाहर का रास्ता दिखाया, यूजीन," मिस्टर लिंकन ने कहा.

"पर, आपने मुझे अपनी काली कोठरी से बाहर निकलने का रास्ता दिखाया, मिस्टर लिंकन." यूजीन मुस्कुराया. फिर वो रुका और उसने अपने प्रिंसिपल की आँखों में देखा. "मिस्टर लिंकन, मैं ज़रूर कुछ ऐसा करूंगा जिससे आपको मुझ पर गर्व हो. मैं वादा करता हूं."



समाप्त